- भूकंप सभी प्राकृतिक आपदाओं में सबसे अप्रत्याशित और अत्यधिक विनाशकारी आपदा है। विवर्तनिक मूल (**tectonic origin)** के भूकंप सर्वाधिक विनाशकारी सिद्ध हुए हैं एवं इनका प्रभाव क्षेत्र भी बहुत अधिक होता है ।
- इस प्रकार के भूकंप, पृथ्वी की ऊपरी सतह में विवर्तनिक गतिविधियों के दौरान होने वाले संचरणों के कारण उत्पन्न ऊर्जा के परिणामस्वरूप आते हैं ।
- राष्ट्रीय भूभौतिकीय प्रयोगशाला (National Geophysical Laboratory), भारत का भूगर्भीय सर्वेक्षण (Geological Survey of India) तथा मौसम विज्ञान विभाग के साथ-साथ हाल ही में गठित राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (National Institute of Disaster Management) ने पिछले दिनों भारत में आए 1200 से अधिक भूकंपों का गहन विश्लेषण करके इसी आधार पर भारत को निम्नलिखित 5 भूकंपीय क्षेत्रों में विभाजित किया है:

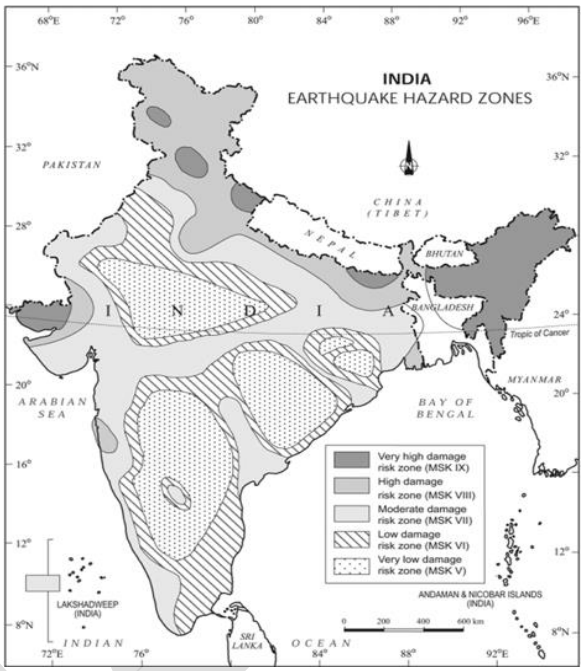

भारत में भूकंपीय क्षेत्र:

- भारत में चार भूकंपीय क्षेत्र (II, III, IV, और V) हैं, जो भूकंपीय गतिविधियों से संबंधित वैज्ञानिक इनपुट, अतीत में आए भूकंप के आधार पर एवं क्षेत्र की विवर्तनिक संरचना को ध्यान में रखते हुए विभाजित किए गए हैं।
- इससे पूर्व भूकंपीय क्षेत्रों को भूकंप की गंभीरता के आधार पर पाँच क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, लेकिन भारतीय मानक ब्यूरो **(BIS)** ने पहले दो क्षेत्रों को एकजुट करके देश को चार भूकंपीय क्षेत्रों में वर्गीकृत कर दिया है ।
- भारतीय मानक ब्यूरो भूकंपीय खतरे के नक्शे और कोड को प्रकाशित करने के लिए आधिकारिक एजेंसी है।

भूकंपीय क्षेत्र II: मामूली क्षति के साथ V से VI MM पैमाने (MM-मॉडिफाइड मर्केली इंटेंसिटी स्केल(Modified Mercalli Intensity scale)) की तीव्रता होती है ।